

श्रस(मारण

EXTRAORDINARY भाग II—खण्ड 3—उपमण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 21) नई दिल्ली, शुक्रवार, फ**रवरी 1, 1974/मा**घ 12, 18**9**5

No. 21] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 1, 1974/MAGHA 12, 1895

इस भाग में भिनन पुष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह असग संस्थान के रूप में शक्ता का सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st February 1974

G.S.R. 26(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 13 of the Central Sales Tax Act, 1956 (74 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Sales Tax (Registration and Turnover) Rules, 1957, namely:—

- 1. These rules may be called the Central Sales Tax (Registration and Turnover) (Amendment) Rules, 1974.
- 2. In the Central Sales Tax (Registration and Turnover) Rules, 1957 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 2, after clause (aa), the following clause shall be inserted, namely:—
 - "(aga) 'company' means a company as defined in section 3 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) and includes a foreign company within the meaning of section 591 of that Act;".
- 3. In rule ? of the said rules, in clause (a) of sub-rule (1), the words and figures "incorporated under the Companies Act, 1956" shall be omitted.
 - 4. In rule 12 of the said rules,-
 - (a) in sub-rule (1), in the first proviso, for the figures "1973", in the two places where they occur, the figures "1974" shall be substituted;

- (b) in sub-rule (6), the following Explanation shall be inserted at the end, namely:—
 - "Explanation.—Where, by reason of the purchasing dealer not being registered under section 7 in the State in which the goods covered by Form 'C' referred to in sub-rule (1) are delivered, he is not able to obtain the said Form in that State. Form 'C' may be the one obtained by him in the State in which he is registered under the said section.";
- (c) in clause (a) of sub-rule (8)-
 - (i) for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—
 - "Provided that where such person is a proprietor of any business or a partner of a firm or a karta or manager of a Hindu Undivided Family, any other person authorised by him in writing may also sign such declaration or certificate:";
 - (ii) in the second proviso, for the words, figures, brackets and letters "a company incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the declaration in form 'C' or form 'F', the words "a company, such declaration or certificate" shall be substituted.
- 5. In Form 'A' appended to the said rules, in the foot-note relating to the filling in of the particulars specified in item 11 of the said Form, the words, figures and brackets "incorporated under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) or under any other law" shall be omitted.
- 6. In Form 'C' appended to the said rules, in each of the three parts marked as "Counterfoil", "Duplicate" and "Original", after the portion beginning with the words "Certified that the goods" and ending with the words and figures "under the Central Sales Tax Act, 1956", the following shall be inserted, namely:—

[No. F. 28/53/73-ST]

O. P. MEHRA, Dy. Secy.

वित्त नंत्रालय

(राजस्य जीर बीमा विभाग)

पधिसू चना

नई दिल्ली, 1 फरवरी 1974

सा० का० नि० 26 (म्). — केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय विकय कर मिश्वनियम 1956 (1956 का 74) की झारा 13 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय विकय कर (रजिस्ट्रीकरण भौर व्यापारावर्त) नियम 1957 में भौर संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है भर्वात :—

इन नियमों का नाम केन्द्रीय विकय-कर (रिजस्ट्रीकरण भीर व्यापारावर्त) (संशोधन)
 नियम 1974 है।

- 2. केन्द्रीय विक्रय-कर (रजिस्ट्रीकरण भ्रौर व्यापारावर्त) नियम 1957 (जिन्हे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 2 में खण्ड (क्क) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड भन्तः स्थापित किया जाएगा श्रथति:----
 - "(ककक)" "कम्पनी" से कम्पनी श्रधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 3 में यथा परिभाषित कम्पनी श्रभिप्रेत है श्रीर इसमें उस श्रधिनियम की धारा 591 के श्रथ में विदेशी कम्पनी भी सम्मिलित है;"
- 3. उक्त नियमों के नियम 3 में उपनियम (1) के खेंण्ड (क) में "कम्पनी श्रिधिनियम 1956 के श्रधीन नियमित" गब्दों श्रौर श्रंकों का लोप कर दिया जाएगा।
 - 4. उक्त नियमों के नियम 12 में ---
 - (क) उपनियम (1) में प्रथम परन्तुक में शंकों "1973" के स्थान पर दो स्थानों पर जहां भी वे श्राये हों शंक "1974" रखें जाएंगे ;
 - (ख) उपनियम (6) में भन्त में निम्नलिखित स्पष्टीकरण भन्तः स्थापित किया जाएगा भर्यात:—
 - "स्वष्टीक रण जहां कोई केता व्यवहारी उस राज्य में जिसमें उपनियम (1) में निर्विष्ट प्रक्ष्म "ग" के अन्तर्गत आने वाली वस्तुएं परिदत्त की गई हों धारा 7 के अधीन रिजस्ट्रीकृत होने के कारण उस राज्य में उक्त प्रक्प प्राप्त न कर सके वहां प्रक्ष 'ग' वह होगा जिससे उसने उस राज्य में जिसमें वह उक्त धारा के अधीन रिजस्ट्रीकृत है प्राप्त किया हो;"
 - (ग) उपनियम (8) के खण्ड (क) में ---
 - (i) प्रथम परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा प्रयत् :---
 - "परन्तुक जहां ऐसा व्यक्ति किसी कराबद्ध का स्वत्वधारी या किसी फर्म का भागीधार या किसी हिन्दू सर्विभक्त कुटुम्ब का कक्ती या प्रबन्धक हो. यहां उसके ढारा लिखित रुप में प्राधिकृत कोई मन्य व्यक्ति भी ऐसी भोषणा या प्रमाण-पक्ष पर हस्ताकार कर सकेगा";
 - (ii) द्वितीय परन्तुक में "कम्पनी श्रिवित्यम, 1956 (1956 का 1) के श्रधीन निगमित किसी कम्पनी की दशा में प्रस्प 'ग' में या प्रस्प "च" में शोवणा " शब्दों अंको कोष्टकों ग्रौर शक्षरों के स्थान पर "किसी कम्पनी की दशा में ऐसी शोषणा या प्रमाणपक्ष " शब्द रखे आएंगे।

- 5 उक्त नियमों से उपाबद्ध प्ररुप 'क' में उक्त प्ररुप की मद 'i में विनिर्दिष्ट विभिष्टयों के भरे जाने से सम्बन्ध पाद-टिप्पण में "कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 (1956 का 1) या किसी अन्य विधि के श्रिधीन नियमित "शब्दों श्रंको श्रीर कोष्टकों का लोप कर दिया जाएगा।
- 6. उक्त नियम से उपाबद्ध प्रकप 'ग' में प्रत्येक तीनों भागों जिस पर "प्रतिपण" "दूसरी प्रति" भीर "मूल" श्रंकित है में उस प्रभाग जो 'यह प्रमाणित किया जाता है कि' शब्दों के साथ प्रारम्भ होता है भीर 'रिजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्न के अन्तर्गत आता है ' शब्दों और श्रंकों के माथ ममाप्त होता है के रणनान् निम्नलिखित श्रन्त: स्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

"मह और प्रमाणित किया जाता है कि मैं हम राज्य में जिसमें इस प्रदप के अन्तर्गत आने वाले माल परिदत्त किए गए हैं / जाएंगे उक्त अधिनियम की धारा 7 के सभीन रिजस्दीकृत नहीं हैं /हैं।"

> सिं॰ फा॰ 28/53/73-वि॰ के०] स्रोम प्रकाश मेहरा, उस्मध्यि ।